shrIrAmAnujastotram

श्रीरामानुजस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Ramanuja Stotram

File name : rAmAnujastotram.itx

Category : deities_misc, stotra, gurudev

Location : doc_deities_misc

Author : Rangarya

Transliterated by : Mohan Chettoor

Proofread by : Mohan Chettoor, NA

Description-comments : Ramanuja Sampradaya. (Prayer to Shri Ramanujacharya, advice)

Latest update : June 6, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

June 8, 2022

sanskritdocuments.org

श्रीरामानुजस्तोत्रम्

श्रीमते रामानुजाय नमः ।
हे रामानुज हे यतिक्षितिपते हे भाष्यकार प्रभो
हे लीलानरविग्रहानघ विभो हे कान्तिमत्यात्मज ।
हे श्रीमन् प्रणतार्तिनाशन कृपामात्रप्रसन्नार्य भो
हे वेदान्तयुगप्रवर्तक परं जानामि न त्वां विना ॥ १॥

हे हारीतकुलारविन्दतरणे हे पुण्यसङ्कीर्तन
ब्रह्मध्यानपर त्रिदण्डधर हे भूतिद्वयाधीश्वर ।
हे रङ्गेशनियोजक त्वरित हे गीश्शोकसंहारक
स्वामिन् हे वरदाम्बुदायक परं जानामि न त्वां विना ॥ २॥

हे श्रीभूतपुरीश लक्ष्मणमुने हे यादवापादिता-
पार्थार्थद्रुमकृन्तनोग्रपरशो हे भक्तमन्दारक ।
हे ब्रह्मासुरमोचनक्षम कृपाकूपार हे सज्जन-
प्रेष्ठामोघयतीन्द्रदेशिक परं जानामि न त्वां विना ॥ ३॥

हे पूणार्य कृपाप्तसद्वयमनो मालाधरानुग्रहात् (पूर्णार्य?)
ज्ञातद्राविडवेदतत्त्व सुमते मन्नाथपृथ्वीधर ।
काञ्चीपूर्णवरेण्यशिष्य भगवन् हे केशवस्यात्मज
श्रीपद्मेशपदाब्जषट्पदपरं जानामि न त्वां विना ॥ ४॥

हे गोपीजनमुक्तिदानकर हे शास्त्रार्थतत्त्वज्ञ हे
गोष्ठीपूर्णकृपागृहीतविलसन्मन्त्राधिपाहस्कर ।
हेऽनन्तेष्टफलप्रदायक गुरो हे विठ्ठलेशार्चित
हे बोधायन सूत्रसन्मत परं जानामि न त्वां विना ॥ ५॥

हे गोपालक हे कृपाजलनिधे हे सिन्धुकन्यापते
हे कंसान्तक हे गजेन्द्रकरुणापारीण हे माधव ।
हे रामानुज हे जगत्रयगुरो हे पुण्डरीकाक्ष मां

हे गोपीजननाथ पालय परं जानामि न त्वां विना ॥ ६॥

हे राम पुरुषोत्तम नरहरे नारायण केशव
गोविन्द गरुडध्वज गुणनिधे दामोदर माधव ।
हे कृष्ण कमलापते यदुपते सीतापते श्रीपते
हे वैकुण्ठपते चराचरपते लक्ष्मीपते पाहि माम् ॥ ७॥

इति श्रीरामानुजस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥ ७॥

Encoded and proofread by Mohan Chettoor

shrIrAmAnujastotram

pdf was typeset on June 8, 2022

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*